साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 124 | जौनपुर, सोमवार, 23 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

मकान दिलाएंगे इलाज भी कराएंगे, जनता की समस्याएं भी सुनी : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर ,(संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि

वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टि परक होना चाहिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने पक्के मकान की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत मकान की सुविधा दी जाएगी। सरकार की मंशा है कि हर व्यक्ति के पास पक्का मकान हो। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान सीएम ने यह निर्देश भी दिए कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। कुशीनगर की एक महिला ने गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मदद का अनुरोध किया तो मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान कार्ड होने के बाद यदि इलाज में किसी तरह की आर्थिक दिक्कत आएगी तो भी उसकी व्यवस्था करने में मदद उपलब्ध कराई जाएगी। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

प्रधानमंत्री ने अमीर से मुलाकात की, अरब खाड़ी कप के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशियाई देश की अपनी यात्रा के दौरान कुवैत के अमीर शेख मेशल अल–अहमद अल–जबर अल सबाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात 26वें अरब गल्फ कप के उद्घाटन समारोह के दौरान हुई, जहां मोदी को कुवैत सिटी के जाबेर अल– अहमद अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और कुवैत के नेतृत्व के बीच अनौपचारिक बातचीत हुई। कुवैत को आठ टीमों के फुटबॉल टूर्नामेंट के पहले मैच में ओमान से खेलना था। कुवैत द्विवार्षिक अरब खाड़ी कप की मेजबानी कर रहा है, जिसमें जीसीसी देश इराक और यमन सहित आठ देश खेल रहे

हैं। यह टूर्नामेंट इस क्षेत्र के सबसे प्रमुख खेल आयोजनों में से एक है, जिसमें कुवैत ने अधिकतम लीग जीती हैं। प्रधानमंत्री मोदी कुवैत के अमीर के निमंत्रण पर दो दिवसीय यात्रा पर हैं। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली कुवैत यात्रा है। शनिवार को मोदी ने शहर के शेख साद अल–अब्दुल्ला इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित विशेष कार्यक्रम हला मोदी में बड़ी संख्या में उपस्थित भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने वैश्विक विकास में योगदान के लिए भारतीय समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि भारत में ष्विश्व की कौशल राजधानी बनने की क्षमता है।

मोदी ने कहा, ष्हर साल सैकड़ों भारतीय कुवैत आते हैं। आपने कुवैती समाज में भारतीय स्पर्श जोड़ा है। आपने कुवैत के कैनवास को भारतीय कौशल के रंगों से भर दिया है। आपने कुवैत में भारत की प्रतिभा, तकनीक और परंपरा का सार मिलाया है। उन्होंने खाड़ी देश में देश के विभिन्न भागों से आये भारतीयों की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसे लघु हिंदुस्तान कहा है।

पेगासस स्पाइवेयर मामले पर अमेरिकी कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। एक अहम फैसले में, अमेरिका की एक अदालत ने इजराइल के एनएसओ समूह को सेंधमारी करने वाले उसके स्पाइवेयर पेगासस के लिए जिम्मेदार ठहराया। अमेरिकी अदालत के इस फैसले के बाद पेगासस स्पाइवेयर फिर सुर्खियों में आ गया है। इसको लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, श्पेगासस स्पाइवेयर मामले का फैसला साबित करता है कि कैसे अवैध स्पाइवेयर रैकेट में भारतीयों के 300 व्हाट्सएप नंबरों को निशाना बनाया गया।श उन्होंने आगे लिखा कि मोदी सरकार के जवाब देने का वक्त आ गया है। सुरजेवाला ने मोदी सरकार से सवाल पूछते हुए लिखा, श्लक्षित 300 नाम कौन हैं! दो केंद्रीय मंत्री कौन हैं? तीन विपक्षी नेता कौन हैं? संवैधानिक अधिकारी कौन है? पत्रकार कौन हैं? व्यवसायी कौन हैं? भाजपा सरकार और एजेंसियों द्वारा कौन सी जानकारी प्राप्त की गई? इसका उपयोग कैसे किया गया – दुरुपयोग किया गया और इसका क्या परिणाम हुआ? क्या वर्तमान सरकार में राजनीतिक कार्यकारीध्अधिकारियों और छैट के स्वामित्व वाली कंपनी के खिलाफ उचित आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे? सुरजेवाला ने आगे लिखा, श्क्या सुप्रीम कोर्ट मेटा बनाम छैट में अमेरिकी कोर्ट के फैसले पर ध्यान देगा? क्या सुप्रीम कोर्ट 2021–22 में उसे सौंपी गई पेगासस स्पाइवेयर पर तकनीकी विशेषज्ञों की समिति की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने के लिए आगे बढ़ेगा? क्या सुप्रीम कोर्ट अब भारत के 300 सहित 1,400 व्हाट्सएप नंबरों को लक्षित करने के फैसले के मद्देनजर आगे की जांच करेगा? क्या सुप्रीम कोर्ट अब मेटा से पेगासस मामले में न्याय के उद्देश्य को पूरा करने के लिए 300 नाम प्रस्तुत करने के लिए कहेगा अमेरिकी अदालत ने इजराइल के एनएसओ समूह को सेंधमारी करने वाले उसके स्पाइवेयर पेगासस के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने यह निर्णय मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप द्वारा एनएसओ समूह के खिलाफ दायर एक मामले में सुनाया।

डॉ. अंबेडकर ने प्रभुत्ववादियों को दी चुनौती किया ये आह्वान : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा है और एकजुट होकर उन्हें सत्ता से बाहर करने का आह्वान किया है। अखिलेश यादव ने अपने पत्र में लिखा कि प्रिय पीडीए समाज, श्प्रभुत्ववादियों और उनके संगी–साथियोंश के लिए बाबासाहेब सदैव से एक ऐसे व्यक्तित्व रहे हैं, जिन्होंने संविधान बनाकर शोषणात्मक– नकारात्मक प्रभुत्ववादी सोच पर पाबंदी लगाई थी। इसीलिए ये प्रभुत्ववादी हमेशा से बाबासाहेब के खिलाफ रहे हैं और समय–समय पर उनके अपमान के लिए तिरस्कारपूर्ण बयान देते रहे हैं। प्रभुत्ववादियों और उनके संगी–साथियों ने कभी भी बाबसाहेब के श्समकी बराबरी के सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया क्योंकि ऐसा करने से समाज एक समान भूमि पर बैठा दिखता, जबकि प्रभुत्ववादी और उनके संगी–साथी चाहते थे कि उन जैसे जो सामंती लोग सदियों से सत्ता और धन पर कब्जा करके सदैव ऊपर रहे हैं वो हमेशा ऊपर ही रहें और पीडीए समाज के जो लोग शोषित, वंचित, पीड़ित हैं वो सब सामाजिक सोपान पर हमेशा नीचे ही रहें। बाबसाहेब ने इस व्यवस्था को तोड़ने के लिए शुरू से आवाज ही नहीं उठाई बल्कि जब देश आजाद हुआ तो संविधान बनाकर उत्पीड़ित पीडीए समाज की रक्षा का कवच भी बनाकर दिया। आज के श्प्रभुत्ववादियों और उनके संगी–साथियों के वैचारिक पूर्वजों ने बाबासाहेब के बनाए संविधान को अभारतीय भी कहा और उसे सभ्यता

के विरुद्ध भी बताया क्योंकि संविधान ने उनकी परंपरागत सत्ता को चुनौती दी थी और देश की 90 प्रतिशत वंचित आबादी को आरक्षण के माध्यम से हक और अधिकार दिलवाया था, साथ ही उनमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की स्थापना भी की थी। प्रभुत्ववादियों और उनके संगी–साथीश सदैव आरक्षण के विरोधी रहे हैं। सदियों की पीड़ा और आरक्षण दोनों ही पीडीए को एकसूत्र करते हैं, चूंकि बाबासाहेब श्संविधानश और श्सामाजिक न्यायश के सूत्रधार थे, इसीलिए ऐसे प्रभुत्ववादी नकारात्मक लोगों को बाबासाहेब हमेशा अखरते थे। बाबासाहेब ने हर एक इंसान को एक मानव के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आंदोलन में हिस्सा लेने की बात कहीं भी और खुद करके भी दिखाया व तथाकथित उच्च जाति और सांमती शोषण को साहसपूर्ण चुनौती भी दी।

संक्षिप्त समाचार

तेजस्वी ने प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा हाल ही में विवादास्पद परिस्थितियों में आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द करने की मांग को अपना समर्थन दिया। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य के सुदूर सीमांचल क्षेत्र का दौरा कर रहे पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव शनिवार देर रात राजधानी पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष शहर के गर्दनी बाग इलाके में गए, जहां कई अभ्यर्थी ठंड के बावजूद प्रदर्शन कर रहे हैं और 13 दिसंबर को आयोजित 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) रद्द करने की मांग कर रहे हैं। अपने करीबी सहयोगी और

राज्यसभा सदस्य संजय यादव के साथ आए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनकारियों से कुछ देर बातचीत की और कहा "हम इस मुद्दे पर पूरी तरह छात्रों के साथ हैं। नीतीश कुमार सरकार को परीक्षा रद्द करने का आदेश देना होगा।" उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कहा, "आप जो भी कदम उठाएंगे, तेजस्वी चार कदम आगे बढ़ने को तैयार हैं।

बाबा साहेब के अपमान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस पर साधा निशाना

लखनऊ,(संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी को लेकर कांग्रेस का उतावलापन विशुद्ध छलावा व स्वार्थ की राजनीति है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा एक ही थैली के चट्टे–बट्टे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का अमित शाह द्वारा संसद में किए अनादर को लेकर देश भर में लोगों में भारी आक्रोश है लेकिन उनकी उपेक्षा व देशहित में उनके संघर्ष को हमेशा आघात पहुंचाने वाली कांग्रेस पार्टी का इसको लेकर उतावलापन विशुद्ध छलावा व स्वार्थ की राजनीति है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का नाम लेकर उनके अनुयाइयों के वोट के स्वार्थ की राजनीति करने में कांग्रेस व भाजपा एक ही थैली के चट्टे–बट्टे हैं व बाबा साहेब के आत्म–सम्मान के कारवां को आगे बढ़ने से रोकने के लिए सभी पार्टियां बसपा को आघात पहुंचाने के षडयंत्र में लगी रहती हैं। वास्तव में बाबा साहेब सहित बहुजन समाज में जन्मे महान संतों, गुरुओं और महापुरुषों को भरपूर आदर–सम्मान केवल बसपा की सरकार में ही मिल पाया जो इन जातिवादी पार्टियों को हजम नहीं। खासकर सपा ने तो द्वेष के तहत नए जिले, नई संस्थाओं व जनहित योजनाओं आदि के नाम भी बदल डाले। बाबा साहेब पर गृहमंत्री की टिप्पणी के बाद कांग्रेस लगातार भाजपा पर हमलावर है और देश में जगह–जगह आंदोलन किए जा रहे हैं।

भारत दूसरों को अपने फैसलों पर वीटो लगाने की अनुमति नहीं दे सकता : एस.जयशंकर

मुंबई,(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर 'वीटो' लगाने की अनुमति नहीं देगा और वह किसी डर की परवाह किए बिना राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा वह करेगा। मुंबई में एक समारोह के लिए दिए गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि जब भारत वैश्विक चेतना में अधिक गहराई से अंकित हो जाता है, तो इसके परिणाम वास्तव में बहुत जबर्दस्त होते हैं। उन्होंने कहा कि अस्वस्थ आदतों, तनावपूर्ण जीवनशैली या बार–बार होने वाली जलवायु घटनाओं से जूझ रही दुनिया में भारत की विरासत से बहुत कुछ सीखा जा सकता है, लेकिन दुनिया को तभी पता चलेगा जब देशवासी इस पर गर्व करेंगे। जयशंकर ने कहा कि वैश्वीकरण के युग में प्रौद्योगिकी और परंपरा को एक साथ चलना होगा। उन्होंने कहा, "भारत अवश्य ही प्रगति करेगा, लेकिन उसे अपनी भारतीयता खोए बिना ऐसा करना होगा। तभी हम बहुध्रुवीय विश्व में वास्तव में अग्रणी शक्ति के रूप में उभर पाएंगे।" जयशंकर को 27वें 'एसआईईएस श्री चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती नेशनल एमिनेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। पुरस्कार का नाम कांची कामकोटि पीठम के 68वें द्रष्टा दिवंगत श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती के नाम पर रखा गया है। विदेश मंत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए लेकिन उन्होंने अपना वीडियो संदेश भेजा। उन्होंने कहा, "स्वतंत्रता को कभी भी तटस्थता के साथ भ्रमित नहीं किया जाना

चाहिए। हम 'संगत' होने के किसी डर की परवाह किए बिना अपने राष्ट्रीय हित और वैश्विक भलाई के लिए जो भी सही होगा, वह करेंगे। भारत कभी भी दूसरों को अपने फैसलों पर वीटो लगाने की अनुमति नहीं दे सकता।" जयशंकर ने कहा कि भारत आज एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

केरल उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ 'अपमानजनक' पोस्ट के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

केरल,(एजेंसी)। उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश को निशाना बनाकर सोशल मीडिया पर ''अपमानजनक'' पोस्ट करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज कराने वाले उच्च न्यायालय के अधिवक्ता कुलथुर जयसिंह ने आरोप लगाया कि फेसबुक पर न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन को निशाना बनाकर की गई अपमानजनक पोस्ट का उद्देश्य उनके हालिया फैसले को लेकर

दंगा भड़काना था। पुलिस ने बताया कि कोच्चि के साइबर अपराध पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त पी. विमलादित्य ने सहायक पुलिस आयुक्त एम.के. मुरली को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा है। न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन ने हाल ही में उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सार्वजनिक स्थानों पर अवैध 'फ्लेक्स बोर्ड' और झंडे हटाने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है। शिकायत के अनुसार, आदेश को लागू करने के लिए अधिकारियों द्वारा कार्रवाई किए। जाने के बाद न्यायाधीश के खिलाफ सोशल मीडिया पर ''अपमानजनक'' टिप्पणियां सामने आईं।

उच्च न्यायालय ने अवमानना याचिका पर उप्र के डीजीपी और सहारनपुर के एसएसपी को तलब किया

इलाहाबाद, (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अवमानना की एक याचिका पर पुलिस महानिदेशक और सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को उसके पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने के लिए व्यक्तिगत हलफनामे के साथ 27 जनवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया है। अलका सेठी नाम की एक महिला द्वारा दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सलिल कुमार राय ने शुक्रवार को यह आदेश पारित किया और सुनवाई की अगली तिथि 27 जनवरी 2025 तय की। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अदालत के 15 मई, 2024 के आदेश के बावजूद याचिकाकर्ता के मामले की संबंधित पुलिस अधिकारियों द्वारा जांच नहीं की जा रही है। अदालत ने पुलिस महानिदेशक को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से इस मामले की जांच कराने का भी निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि यह जांच इस आदेश के पारित होने की तिथि से चार महीने के भीतर पूरी की जानी चाहिए। मौजूदा अवमानना याचिका के साथ संलग्न हलफनामे में यह बताया गया कि पुलिस महानिदेशक द्वारा कोई कदम नहीं उठाया गया है और दर्ज प्राथमिकी की ना तो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और ना ही किसी अन्य पुलिस अधिकारी द्वारा जांच की जा रही है।

घर-घर जाकर 'महिला सम्मान योजना' और 'संजीवनी योजना' के लिए रजिस्ट्रेशन करेगी आप

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने हाल ही में दिल्ली की महिलाओं और बुर्जुर्गों के लिए दो बड़ी घोषणाएं की थीं। पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये और 60 साल के ऊपर के बुजुर्गों को सरकारी और निजी अस्पताल में हर तरह का इलाज मुफ्त दिए जाने की घोषणा की थी। इन दोनों घोषणाओं के लिए 23 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन शुरू होंगे। आप के राष्ट्रीय योजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को इस बात की घोषणा की। महिला सम्मान योजनाश और श्संजीवनी योजनाश के रजिस्ट्रेशन से जुड़ी देते हुए केजरीवाल ने कहा, श्हाल ही में हमने दो योजनाओं की घोषणा की थी, एक महिला सम्मान योजना। हमारी महिलाओं की सुविधा के लिए हमने घोषणा की थी कि हम उनके बैंक खातों में 2,100 रुपये जमा करेंगे। इसका पंजीकरण कल से शुरू हो रहा है। दूसरी घोषणा संजीवनी योजना की थी। इसके तहत 60 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। मध्यम वर्ग की कोई सुध नहीं लेता। रिटायरमेंट के बाद कई परिवारों में बुजुर्गों की कोई सुध नहीं लेता। अब आप सरकार उनका इलाज कराएगी। इस योजना का पंजीकरण भी कल से शुरू हो जाएगा। केजरीवाल ने आगे कहा, श्हमारी टीम घर–घर जाकर संजीवनी योजना और महिला सम्मान योजना के लिए पंजीकरण करेगी। इसके लिए दिल्ली का वोटर प्क कार्ड होना जरूरी है और ।।च वेबसाइट पर जाकर चेक कर सकते हैं कि आपका वोट रद्द हुआ है या नहीं।श बता दें, दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे प्रवासियों की पहचान कर उनके नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि पिछले कई सालों से दिल्ली की झांकी को 26 जनवरी की परेड में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा,श्दिल्ली भारत की राजधानी है और दिल्ली की झांकी को हर साल 26 जनवरी की परेड में भाग लेना चाहिए। पिछले कई सालों से दिल्ली की झांकी को परेड में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाती। यह कैसी राजनीति है? वे दिल्ली के लोगों से इतनी नफरत क्यों करते हैं? दिल्ली के लोग उन्हें वोट क्यों दें? उनके पास दिल्ली के लोगों के लिए कोई विजन नहीं है। वे केवल केजरीवाल को गाली देते हैं। क्या हमें सिर्फ इसके लिए उन्हें वोट देना चाहिए? दिल्ली की झांकी और दिल्ली के लोगों को 26 जनवरी की परेड में भाग लेने से क्यों रोका जा रहा है?श

संपादकीय

संसद के लिए काला दिवस

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी से संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी से संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। इस पर खेद जताना तो दूर, भारतीय जनता पार्टी विपक्ष पर ही आरोप लगा रही है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को राज्यसभा में शाह ने यह कहकर कांग्रेस और विपक्ष पर अशालीन टिप्पणी की थी कि श्आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।श नाराज विपक्ष ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों में इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाया और शाह से न केवल माफी बल्कि इस्तीफे की भी मांग की थी। पूरे देश में इसे लेकर उनके प्रति नाराजगी देखी गई परन्तु धृष्टता का परिचय देते हुए शाह ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि श्अगले 15 वर्षों तक मल्लिकार्जुन खरगे उसी जगह पर बैठेंगे जहां अभी हैं।श यानी विपक्ष में रहेंगे। खरगे का उन्होंने इसलिये उल्लेख किया क्योंकि उन्होंने शाह से माफी की मांग की थी। भाजपा की हठधर्मिता एवं अहंकार का मिला–जुला रूप गुरुवार को देखने को मिला जब विपक्षी सदस्य नीले कपड़े पहनकर और हाथों में बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीरें लिये हुए मकर द्वार से संसद के भीतर जा रहे थे। अनेक भाजपा सदस्यों ने उनका रास्ता रोक लिया। इस धक्का–मुक्की में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नीचे गिर गये जिन्हें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस सासंद वर्षा गायकवाड़ आदि ने सम्हालने की कोशिश की। इसे लेकर खरगे ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। अभी तीन दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने निर्देश दिये थे कि किसी भी सदस्य को कोई भी संसद प्रवेश करने से नहीं रोकेगा। गुरुवार को विपक्षी सांसदों को रोकने की कोशिश जिन सदस्यों ने की, वे भाजपायी थे। गुरुवार का वाकया बतलाता है कि भाजपा के सांसद उनके कितने कहने में हैं। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेसियों द्वारा की गयी धक्का–मुक्की से भाजपा के दो सांसद घायल हो गये हैं। इनमें से एक प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया जो उन पर आकर गिरा। इसके कारण उनके सर पर चोट आई है। ऐसे ही, मुकेश राजपूत भी घायल हुए हैं। बताया गया है कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जख्मी सांसदों का हाल–चाल जाना। वैसे राहुल ने कहा कि खरगे को धक्का दिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि भाजपा के सांसद उन्हें भी धमका रहे थे और प्रियंका को भी रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को बचाया। अब भाजपायी सांसद राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर दबाव डालना चाहते हैं। उनके विरूद्ध भी भाजपा विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। इस मामले को लेकर सदन के भीतर भी जमकर विवाद हुआ। जहां एक ओर विपक्ष शाह के माफी व इस्तीफे की मांग पर अड़ा रहा वहीं भाजपा प्रतिपक्ष पर ही झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाती रही। इसके कारण जमकर हुए हंगामे के बाद सदनों की कार्यवाही चलनी मुश्किल हो गयी। दोनों सदनों को शुक्रवार तक के लिये स्थगित कर दिया गया। इस सारे मामले को सम्भवतरू मोदी, ओम बिड़ला एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। इसलिये उन तीनों की ओर से कोई गम्भीर पहल नहीं की गयी कि उभय पक्षों को बिठाकर सुलह करायी जाये। बाद में अवश्य बिड़ला ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से परम्पराओं के पालन एवं संयम बरतने की अपील की। वहीं मोदी ने तो एक्स पर पोस्ट किया कि कांग्रेस मुद्दे को तोड़–मरोड़कर पेश कर रही है। उन्होंने शाह का वीडियो यह कहकर पोस्ट किया कि इसे अवश्य देखा जाना चाहिये। इस तरह वे आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। भाजपा का यह रुख इसलिये दोहरा कहा जा सकता है कि एक्स ने खुलासा किया है कि सरकार की ओर से कहा गया था कि राज्यसभा में शाह के बयान वाले वीडियो को हटा दिया जाये। एक्स ने साफ किया कि वह अभिव्यक्ति की आजादी की पक्षधर है इसलिये वह ऐसा नहीं करेगा। शाह के वीडियो को हटाने के लिये कहना यही बतलाता है कि भाजपा अब इस मामले में खुद को घिरा हुआ मान रही है। अपनी गलती स्वीकार कर क्षमा मांगने की बजाये वह और भी अधिक धृष्टता पर उतर आई है। इस मामले को लेकर भाजपा पर चौतरफा हमले हो रहे हैं। बाबा साहेब अंबेडकर के नाती प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि श्इस बयान से भाजपा की पुरानी मानसिकता सामने आ गयी है।श समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने भी चेतावनी दी है ं।

अमेरिका, भारत, ब्रिटेन सहित 50 देशों के वोर्टर्स ने किया मतदान

ज्योति

कई देशों ने सत्ताधारियों के खिलाफ मतदान किया। ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जीत हुई और 14 साल के कंजर्वेटिव शासन का अंत हुआ। ऋषि सुनक की जगह कीर स्टार्मर को प्रधानमंत्री बनाया गया। डेमोक्रेट्स ने ट्रंप का मुकाबला करने के लिए कमला हैरिस को चुना। वर्ष 2024 चुनावों के लिहाज से एक रिकॉर्ड तोड़ने वाला साल रहा। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका सहित 50 देशों के दो अरब से अधिक मतदाता अपने मतदान का प्रयोग किया। ऐसे में आइए जानते हैं कि 2024 में राजनीतिक दुनिया में क्या बदलाव आए। कई देशों ने सत्ताधारियों के खिलाफ मतदान किया। ब्रिटेन में लेबर पार्टी की जीत हुई और 14 साल के कंजर्वेटिव शासन का अंत हुआ। ऋषि सुनक की जगह कीर स्टार्मर को प्रधानमंत्री बनाया गया। डेमोक्रेट्स ने ट्रंप का मुकाबला करने के लिए कमला हैरिस को चुना। सर्वेक्षणकर्ताओं ने कहा कि चुनाव कांटे की टक्कर का होगा। वे गलत साबित हुए और अमेरिकियों ने ट्रम्प को वोट दिया। भारत में नतीजों ने चौंका दिया। हां, नरेंद्र मोदी ने तीसरा कार्यकाल जीता, लेकिन उतनी संख्या में नहीं, जितनी उन्हें उम्मीद थी। पड़ोस में चुनाव थे, पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों में चुनाव हुए। जापान और फ्रांस उन अन्य देशों में से हैं जहां चुनावों के कारण राजनीतिक उथल–पुथल देखी गई। ऐसे में आपको दुनिया भर के चुनावों का वार्षिक राउंड अप बताते हैं। इसे भी पढ़ेंरू ल्मंत म्दकमत 2024रू शेख हसीना–असद को छोड़ना पड़ा देश, अमेरिका में ट्रंप युग का प्रारंभ, रईसी की मौत का गुमनाम रहस्य और युद्ध के साये में कई देश अबकी बार 400 पार के नारे के साथ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने लोकसभा में 400 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था। हालाँकि, एनडीए इस लक्ष्य को पाने में कामयाब नहीं हो पाई और केवल 292 सीटें हासिल कर सकी। पिछले दो लोकसभा चुनावों में अपने बदौलत बहुमत लाने वाली बीजेपी 240 के आंकड़े पर ही सिमट गई। लोकसभा में भाजपा के लिए एक बड़ा झटका प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश में उसका खराब प्रदर्शन था। समाजवादी पार्टी–कांग्रेस गठबंधन ने राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से एनडीए की 36 (जो 2019 में 64 सीटें जीती थीं) की तुलना में 43 सीटें हासिल कीं। अयोध्या में भगवा पार्टी नौ में से पांच सीटें हार गई, जिसमें फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल है – राम मंदिर का घर, जिसका उद्घाटन जनवरी में चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। तो क्या पार्टी का दांव उल्टा पड़ गया? लोकसभा चुनाव के बाद बीजेपी डैमेज कंट्रोल मोड में आ गई। इसने सत्ता विरोधी लहर को चुनौती दी और अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव में हैट्रिक बनाई। इसका अगला निशाना महाराष्ट्र था। भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के महायुति गठबंधन ने राज्य में बड़ी जीत हासिल की। ट्रंप की वापसी की चर्चा न केवल अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया में हुई। इसकी कई वजहें हैं। इस समय दुनिया में दो बड़े युद्ध इजरायल और हमास के बीच और रूस व यूक्रेन के बीच चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत ऐतिहासिक रही। ऐसा हर दिन नहीं होता कि आप उस तरह की वापसी देखें। वास्तव में, वह अमेरिकी इतिहास में दोबारा चुनाव के बाद व्हाइट हाउस जीतने वाले दूसरे व्यक्ति हैं। ट्रम्प दो दशकों में लोकप्रिय वोट जीतने वाले पहले रिपब्लिकन भी हैं। ट्रंप की जीत के बाद उन्हें बधाई देने वाले पहले नेताओं में नरेंद्र मोदी भी शामिल थे। राष्ट्रपति–चुनाव के पहले कार्यकाल के दौरान उनके ब्रोमांस ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि जब टैरिफ योजना की बात आएगी तो वह भारत को बख्श देंगे? ऐसा नहीं लगता। ब्रिटेन में सरकार में बदलाव देखा गया। लेबर पार्टी की जीत हुई और कंजर्वेटिव पार्टी का 14 साल का शासन समाप्त हो गया। यह लेबर के लिए एक आश्चर्यजनक वापसी थी, जिसने 80 से अधिक वर्षों में अपनी सबसे खराब चुनावी हार देखी। कीर स्टार्मर के नेतृत्व में ब्रिटेन की

लेबर पार्टी को मिले प्रचंड बहुमत ने भारत के साथ देश के संबंधों में एक नए अध्याय का मार्ग प्रशस्त कर दिया है, जो अतीत में कश्मीर मुद्दे के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। लेबर पार्टी ने अन्य ब्रिटिश राजनीतिक दलों की तुलना में भारत के साथ कथित मानवाधिकार उल्लंघन और कश्मीर मुद्दे जैसे मामलों को अधिक सख्ती से उठाया है। 2019 में जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने सितंबर 2019 में अपने वार्षिक सम्मेलन में कश्मीर की स्थिति पर एक आपातकालीन प्रस्ताव पारित किया था। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में आठ फरवरी को चुनाव हुए। भ्रष्टाचार के आरोपों पर लोकप्रिय लेकिन विवादास्पद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इस्तीफे के बाद पाकिस्तान में पहला आम चुनाव हुआ। 13 फरवरी को नतीजे आए। लेकिन सरकार का गठन 24 दिन बाद 3 मार्च को हुआ। शहबाज शरीफ पाकिस्तान के 24वें प्रधानमंत्री बने। ऐसी चर्चा थी कि नवाज शरीफ वापसी करेंगे. हालाँकि, पीएमएन–एल द्वारा उम्मीद से कम सीटें जीतने के बाद स्थिति बदल गई। इसके बजाय, उनके भाई शहबाज शरीफ को शीर्ष पद मिला। पाकिस्तान में आर्थिक अस्थिरता लगातार बनी हुई है। इमरान खान के सलाखों के पीछे से प्रभाव जमाने से राजनीतिक उथल–पुथल का खतरा मंडरा रहा है। राजनीतिक और आर्थिक संकटों से जूझने के बाद श्रीलंका ने सितंबर में अपना पहला राष्ट्रपति चुनाव कराया। इसे अनुरा कुमारा दिसानायके के रूप में एक नया नेता मिला। 55 वर्षीय मार्क्सवादी ने विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा और तत्कालीन राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से प्रतिस्पर्धा का सामना किया। अनुरा कुमारा वामपंथी विचारधारा के माने जाते हैं। जानकार बताते हैं कि इस बात की आशंका काफी ज्यादा है कि ताजपोशी के बाद दिसानायके का चीन के प्रति झुकाव ज्यादा होगा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी जेवीपी पर 2021 में उनके अभियान के दौरान चीन की मदद के आरोप भी लगे थे। अनुरा ने चुनाव से पहले भारतीय कंपनी अडाणी के खिलाफ बयान देकर एक नया विवाद शुरू कर दिया था। जेवीपी नेता ने वादा किया था कि राष्ट्रपति चुनाव में जीतने के बाद वे श्रीलंका में अडाणी ग्रुप की विंड पावर प्रोजेक्ट को रद्द कर देंगे। मार्च के महीने में रूस के राष्ट्रपति चुनाव में 88 प्रतिशत वोटों के साथ व्लादिमीर पुतिन ने जबरदस्त जीत दर्ज की है। पुतिन की ये जीत उन सभी आशंकाओं की बीच आयी है जब माना ये जा रहा था कि रूस की जनता पुतिन से नाखुश है। क्योंकि काफी लंबे वक्त से यूक्रेन से जंग चल रही है और पश्चिमी देशों की पाबंदियों से भी रूस को लगातार जूझना पड़ रहा है। व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया है कि रूस पश्चिमी देशों के सामने डरेगा नहीं और झुकेगा नहीं। रूस अपन स्टैंड पर कायम रखेगा। इसके साथ ही पुतिन ने विरोधियों को नहीं बख्शने के संकेत दिए। पुतिन 2000 में ही रूस की सत्ता पर काबिज है। 2008 से 2012 तक प्रधानमंत्री रहे। तब उनके वफादार दिमित्री मेदवेदेप राष्ट्रपति थे। इस अवधि को छोड़ दे तो पुतिन 2000 से अब तक लगातार राष्ट्रपति चुने जाते रहे है। जापान के प्रधान मंत्री शिगेरु इशिबा ने इस अक्टूबर में मध्यावधि चुनाव का आह्वान किया। इसने देश की राजनीति को हिलाकर रख दिया क्योंकि सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने 15 वर्षों में पहली बार अपना बहुमत खो दिया।

हवा इतनी जहरीली हो गई है कि सांस लेना मुश्किल हो गया

सोनम

दिल्ली का केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन समिति और दिल्ली में केंद्र सरकार की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली राष्ट्रीय राजधानी के वायु गुणवत्ता सूचकांक के 400 अंक को पार करने पर ?गंभीर श्रेणी में चले जाने के बाद हरकत में आ गई है और ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान चरण 4 को लागू किया जिसने निर्माण और वाहनों की आवाजाही पर अधिक प्रतिबंधा लगा दिए, विशेष रूप से पुरानी पेट्रोल और डीजल कारों पर चलने वाले वाहनों पर। कक्षा 10 और कक्षा 12 के छात्रों को छोड़कर स्कूल बंद कर दिए गए हैं, और हाइब्रिड मोड – इंटरनेट के माध्यम से घर से कक्षाओं में भाग लेना को अपनाया गया है। दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टरों ने लोगों को सुबह की सैर करने के बारे में सलाह जारी की है इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों ने दीर्घकालिक प्रभावों के बारे में चेतावनी दी है, कि कैसे स्वस्थ लोग भी बीमार हो सकते हैं, और प्रदूषण के कारण कैंसर के बढ़ते मामले। यह सिर्फ बुजुर्गों, सह रुग्णताओं वाले लोगों, बहुत कम उम्र के लोगों के बारे में नहीं है, यह सभी आयु वर्ग के स्वस्थ लोगों के बारे में है जो वायु प्रदूषण के स्तर से प्रभावित हैं। गंभीर ।फ५ के खघ्तरनाक क्षेत्र में जाने के दिन कुछ दिनों से लेकर पखवाड़े तक चलने वाले हैं, और आपातकालीन स्थितियाँ कम होने वाली हैं। यह हर सर्दियों में फिर से होने वाली स्थिति को अगली सर्दियों के समय ही याद किया जाता है। दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र के 33 मिलियन से ज्यादा लोग जॉम्बी की तरह प्रदूषण के घने कोहरे से गुजर रहे हैं, जबकि विभिन्न सरकारी संगठन गर्मी आने तक जरूरी आपातकालीन उपाय करते हैं, और सर्दी बहुत पीछे छूट जाती है। लेकिन यह पता लगाने के लिए विशेष उपाय करने का समय हो सकता है कि लोग कैसे प्रभावित हो रहे हैं और क्या किया जा सकता है। यह तर्क कि लोग असहाय हैं और वे अपनी आजीविका कमाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और इस तनावपूर्ण माहौल में मुश्किल से जीवित रह सकते हैं, काफी हद तक सच है और इसे खारिज नहीं किया जा सकता है। लेकिन ऐसे लोग भी हैं, जो अधिक जानकारी रखते हैं, अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं, जो इस मुद्दे पर विचार करते हैं, तथा वायु प्रदूषण, शीत लहर, गर्मी की लहर और बाढ़ जलवायु परिवर्तन के पीछे क्या छिपा है, इसे सार्वजनिक चिंता का विषय बनाते हैं, तथा व्यापक सार्वजनिक परामर्श और लोगों की भागीदारी के माध्यम से सामूहिक कार्रवाई, एक मुहावरे का उपयोग करते हुए, समय की मांग है। क्या लोगों की पहल हो सकती है, जिसकी शुरुआत मोहल्लों या पड़ोस से हो, जहाँ वृक्षों की संख्या में सुधार, पार्कों की देखभाल और सुरक्षा, तथा पड़ोस से वाहनों के आवागमन को विनियमित करने जैसे सरल कार्य किए जा सकते हैं? ये अपर्याप्त और सांकेतिक उपाय लग सकते हैं, लेकिन यदि प्रत्येक पड़ोस में लोगों के समूह इनमें से कुछ कार्य करें, तो संचयी प्रभाव बहुत बड़ा होगा। अन्वेषण करें, सीखें और प्रेरित हों संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों और राष्ट्रीय सरकारों जैसे संगठनों ने 1990 के दशक और इस सदी के पहले दशक में एड्स जागरूकता फैलाने के लिए भारी मात्रा में धन खर्च किया, और यह सही भी है। क्या विभिन्न स्तरों पर जलवायु परिवर्तन जागरूकता अभियान की आवश्यकता नहीं है? क्या हमें ग्रेटा थनबर्ग की जरूरत नहीं है, जो अपने माता–पिता के समर्थन से स्वीडिश स्कूली छात्रा है, जो जलवायु परिवर्तन के खतरों पर मुखर प्रवक्ता बन गई है। जलवायु परिवर्तन को नकारने वाले और अब अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी खास असभ्य टिप्पणियों के साथ उसकी मौजूदगी को खारिज कर दिया था। लेकिन दुनिया को शायद हर देश और हर शहर में एक ग्रेटा थनबर्ग की जरूरत है। जलवायु संकट सिर्फ पर्यावरण वैज्ञानिकों और जलवायु परिवर्तन से निपटने वाले गैर सरकारी संगठनों की चिंता नहीं है। यह ऐसी चीज है जिससे हर किसी को चिंतित होना चाहिए, चाहे वह किसी भी वर्ग, उम्र और क्षेत्र का हो। बेशक जरूरत इस बात की है कि जलवायु के लिए चिंता और इसके बारे में क्या किया जा सकता है, यह मार्च और तख्तियों से आगे बढ़े। इससे इस बारे में बातचीत और बहस होनी चाहिए कि इससे कैसे निपटा जाए। इसे राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर होना चाहिए। भारत के कई अन्य शहर दिल्ली को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक मान सकते हैं, और उन्हें लग सकता है कि चंडीगढ़, देहरादून, लखनऊ, बेंगलुरु, कोलकाता या हैदराबाद में वे बेहतर स्थिति में हैं। लेकिन भारत के हर शहर का आकार बढ़ेगा और उन्हें दिल्ली जैसी ही समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। दिल्ली की घटना से सबक लिया जा सकता है। युवा पेशेवर दिल्ली से दूर बेंगलुरु जैसी जगहों पर जाना चाहते हैं, लेकिन वे प्रदूषण के मामले में बदतर जगह से खराब जगह पर जा रहे हैं। शहरों को कैसे स्वस्थ बनाया जाए, न कि केवल बदतर से बेहतर बनाया जाए। और जब ।फ५ 400 और उससे अधिक से नीचे आता है और 300 से अधिक या 200 से अधिक की सीमा में रहता है, और आदर्श दिनों में 200 से नीचे चला जाता है, तो दिल्लीवासियों के लिए राहत की सांस लेना पर्याप्त नहीं है। यदि यह 101 से 199 की सीमा में है तो इसे मध्यम माना जाता है और यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। इसी तरह, 200 और 300 की सीमा को खराब और बहुत खराब माना जाता है। प्रयास हवा को और अधिक स्वच्छ बनाने का होना चाहिए। द पर्याप्त नहीं है। यह एक असंतोषजनक समझौता है। और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को जानकारी एकत्र करनी होगी। लेकिन इस जानकारी को लोगों के साथ साझा किया जाना चाहिए ताकि वे उन निर्णयों का समर्थन कर सकें जो अधिकारी इनपुट के आधार पर लेते हैं। और अगर राजनेता और नौकरशाह जानकारी को स्वीकार करने और कार्रवाई करने में समय ले रहे हैं, तो लोगों को इसके लिए दबाव बनाने की जरूरत है। अगर जनता और विशेषज्ञ हाथ मिला लें तो वायु प्रदूषण की समस्या को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता है। यह उतना आसान नहीं हो सकता जितना दिखता है। विशेषज्ञों के पास समस्याओं के अपने आकलन और उनके द्वारा पेश किए जाने वाले समाधानों में भिन्नता है। और सभी लोग विशेषज्ञों द्वारा उनके सामने रखी गई सभी बातों से सहमत होने की संभावना नहीं है। लेकिन यह एक आवश्यक प्रक्रिया है। खुलापन एक लोकतांत्रिक अनिवार्यता है। लोगों को निर्णयों, निर्णयों के आधार और उन्हें कैसे क्रियान्वित किया जाता है, इसके बारे में पता होना चाहिए। वायु प्रदूषण जैसे मुद्दे, जो जलवायु परिवर्तन के बड़े सवाल का भी हिस्सा हैं, लोगों के दिमाग में होने चाहिए। ये इतने महत्वपूर्ण हैं कि इन पर समिति कक्षों में विचार–विमर्श और निर्णय नहीं लिया जा सकता। इसका मतलब यह नहीं है कि वायु गुणवत्ता की समस्या से निपटने के लिए जो निर्णय लिए जा रहे हैं, उनमें कोई कमी है। लेकिन लोगों की अधिक जागरूकता और भागीदारी की सबसे अधिक आवश्यकता है।

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

नीरज

संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए। बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने

राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दर्शाते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45:, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता। साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दर्शाना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली वाले देश भारत में जनता के जनादेश पर निर्णय लेने वाला जो सर्वोच्च सदन है उसको चलने नहीं देता। देखा जाये तो अब बात सिर्फ संसद के कीमती समय, देश की उम्मीदों और सरकारी खजाने से धन की बर्बादी की ही नहीं है, बात अब यह भी है कि यदि संसद में भी जनता की आवाज नहीं सुनी जायेगी तो कहां सुनी जायेगी? वक्त आ गया है कि संसद में सदन के संचालन संबंधी नियमों को कठोर बनाया जाये? वक्त आ गया है कि सदन की कार्यवाही में बाधा डालने वाले सदस्यों के खिलाफ सख्त कदम उठाये जायें? बहरहाल, पिछले वर्ष संसदीय व्यवधान पर 'पीड़ा' व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 'लोकतंत्र के मंदिर' में ऐसे आचरण के विरुद्ध माहौल और जनमत तैयार करने के लिए जनांदोलन चलाने का जो आह्वान किया था वह आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। संसद के कामकाज में लगातार व्यवधानों के चलते कीमती समय तो बर्बाद होता ही है। साथ ही महत्वपूर्ण मुद्दों पर जवाब देने से सरकार को भी बचने का अवसर मिल जाता है।

अन्वेषण करें, सीखें और प्रेरित हों

राकेश

गणित दिवस, 22 दिसंबर को, भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती मनाई जाती है। गणितज्ञों ने रामानुजन की प्रतिभा की तुलना 18वीं और 19वीं सदी के जैकोबी और यूलर जैसी हस्तियों से की है। संख्या सिद्धांत में उनके योगदान को विशेष रूप से सम्मानित किया जाता है, और उन्होंने विभाजन कार्य को आगे बढ़ाया। 2012 से, 22 दिसंबर को भारत के राष्ट्रीय गणित दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसमें देश भर के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कई शैक्षणिक गतिविधियाँ होती हैं। 2017 में, आंध्र प्रदेश के चित्तूर में कुप्पम में रामानुजन मठ पार्क के उद्घाटन से इस दिन का महत्व बढ़ गया था। कि सांस लेना मुश्किल हो गया हैरू असल में यह किसकी समस्या है? श्री रामानुजन और अन्य गणित प्रेमी दुनिया भर में पाए जाते हैं, और कुछ लोग इस विषय के बारे में और अधिक जानने में दूसरों की मदद भी करते हैं। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की उल्लेखनीय विरासत का सम्मान करते हुए, बड़े उत्साह के साथ राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 मनाया जा रहा है। दिन दिलचस्प गतिविधियों से भरा हुआ था, जिसमें दैनिक जीवन में गणित के महत्व पर जोर दिया गया था। इंटरैक्टिव सेमिनारों, अंकगणितीय क्विज और समस्या–समाधान अभ्यासों से छात्रों का उत्साह और संख्याओं के प्रति प्रेम बढ़ा। भविष्य को आकार देने में गणितीय अवधारणाओं के महत्व पर चर्चा करने के लिए अतिथि शिक्षकों द्वारा एक विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई। राष्ट्रीय गणित दिवस का इतिहास भारत में गणित दिवस के संस्थापक प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन हैं, जिनके योगदान ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज को प्रभावित किया है। भारत के उत्थान को नुकसान पहुंचेगा रामानुजन का जन्म 1887 में तमिलनाडु के इरोड में एक अयंगर ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने स्वयं के कई प्रमेय विकसित किए और न्यूनतम औपचारिक शिक्षा के बावजूद बारह साल की उम्र में त्रिकोणमिति में पारंगत हो गए। 14 साल की उम्र में, रामानुजन अपना घर छोड़कर भाग गए और मद्रास के पचैयप्पा कॉलेज में दाखिला लिया। रामानुजन फेलो ऑफ आर्ट्स की डिग्री के साथ अपनी पढ़ाई पूरी करने में असमर्थ थे क्योंकि, अपने साथियों की तरह, वे अन्य विषयों में समान सफलता प्राप्त किए बिना केवल गणित में ही सफल हुए। अत्यधिक गरीबी के बावजूद रामानुजन ने गणित में स्वतंत्र शोध करने का निर्णय लिया। महत्वाकांक्षी गणितज्ञ ने तुरंत चेन्नई के गणित की ओर ध्यान आकर्षित किया। इंडियन मैथमैटिकल सोसाइटी के संस्थापक, रामास्वामी अय्यर ने उन्हें 1912 में मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्कशिप हासिल करने में मदद की।परीक्षा केंद्र उसके बाद, रामानुजन ने अपना काम ब्रिटेन में गणितज्ञों को भेजना शुरू किया। कैम्ब्रिज के जीएच हार्डी नामक गणितज्ञ रामानुजन के प्रमेयों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें 1913 में लंदन आमंत्रित किया। 1914 में, रामानुजन ने ब्रिटेन की यात्रा की, जहाँ हार्डी ने उन्हें ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज में दाखिला लेने में मदद की। 1917 में लंदन मैथमैटिकल सोसाइटी के सदस्य के रूप में चुने जाने के बाद रामानुजन सफलता की राह पर थे। उन्हें 1918 में रॉयल सोसाइटी का फेलो भी बनाया गया, जिससे वह यह सम्मान पाने वाले सबसे कम उम्र के लोगों में से एक बन गए। राष्ट्रीय गणित दिवस का महत्व आइए राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 के बारे में विस्तार से देखेंरू राष्ट्रीय गणित दिवस 2024 पर त्रिकोणमिति के बारे में पढ़ें। रामानुजन ने त्रिकोणमिति प्रमेय स्वयं विकसित किए। यह अब तक के सर्वश्रेष्ठ गणितीय आविष्कारों में से एक है। प्रदूषण का दोहरा प्रहार 2024 में राष्ट्रीय गणित दिवस पर रामानुजन फिल्म देखने पर विचार करें। फिल्म में रामानुजन के जीवन को स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। जैसा कि रामानुजन ने दिखाया है, प्रत्येक छात्र में अद्वितीय ताकत और कमियां होती हैं। हालाँकि अपना सर्वश्रेष्ठ करना हमेशा महत्वपूर्ण होता है, ऐसे बच्चे की मदद करना और उसे प्रोत्साहित करना न भूलें जो असाधारण रूप से अच्छा करता हैविशेष विषय। राष्ट्रीय गणित दिवस उल्लेखनीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन का सम्मान और जश्न मनाता है, जिन्होंने अन्य विषयों में संघर्ष करने के बाद अपने दम पर गणित का अध्ययन करने के लिए कॉलेज छोड़ दिया। गणित दिवस की समयरेखा 1887 (रामानुजन का जन्म हुआ)रू एक महान गणितज्ञ जिन्होंने अनुशासन पर अमिट प्रभाव डाला, रामानुजन का जन्म तमिलनाडु के इरोड में एक गरीब अयंगर ब्राह्मण परिवार में हुआ था। 1918 (एक उच्च उपलब्धि)रू ब्रिटेन में लंदन मैथमैटिकल सोसाइटी में शामिल होने के लिए चुने जाने के तुरंत बाद, रामानुजन इतिहास में रॉयल सोसाइटी के फेलो नामित होने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्तियों में से एक बन गए।

19 से 24 दिसंबर 2024 के मध्य सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर मनाया जा रहा है

पैमाइश के मामलों में शासन बेहद गंभीर हैं, पैमाइश के मामलों का निराकरण कराये रूडा दिनेश कुमार पूर्व जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन के निर्देश के क्रम में पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में समस्त जनपदों में 19 से 24 दिसंबर 2024 के मध्य सुशासन सप्ताह–प्रशासन गांव की ओर मनाया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में एक कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि का स्वागत जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र द्वारा पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्रम, प्रतीक चिन्ह देकर किया गया। मुख्य अतिथि तथा जिलाधिकारी ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य अतिथि डॉ0 दिनेश कुमार सिंह जी द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई जी को नमन किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी का अभिनंदन करते हुए जनपद में अपने कार्यकाल के दौरान के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि कोरोना काल के दौरान जनपद में कार्य करना बेहद चुनौती पूर्ण रहा। कोरोना काल के दौरान सभी अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा दिये गये सेवाओंध्योगदान हेतु सबका धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान निर्विवाद वरासत के मामलों को निपटाया। इस सुशासन सप्ताह में उन्होंने उम्मीद किया कि निर्विवाद वरासत के मामलों में सभी का वरासत दर्ज कराया जाए, जिससे किसी भी परिवार को भटकना न पड़े, अभियान चलाकर अंश निर्धारण की प्रक्रिया पर निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा की जा रही कार्यवाही पर प्रशंसा जाहिर करते हुए कहा कि अंशनिर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए। पैमाइश के मामलों में शासन बेहद गंभीर हैं, पैमाइश के मामलों का निराकरण कराये। पूर्व जिलाधिकारी द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान किए गए बदलाव नवाचारों को भी साझा किया। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग में किए गए अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि ऐसे छात्र जो पढ़ाई में कमजोर हैं सभी शिक्षक ऐसे 15 छात्रों को अपने संतान

समतुल्य मानकर बच्चों के हित में कार्य करें। इस दौरान उन्होंने सुईथाकला के आगनबाड़ी केन्द्र की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा, ज्वाइट मजिस्ट्रेट, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग सूचना विभाग, चिकित्सा विभाग, पंचायती राज, स्वयं सेवी संगठन के पदाधिकारियों, आगनबाड़ी कार्यकत्रियों, पुलिस विभाग, कृषि विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यरत अधिकारियोंध कर्मचारियों सहित अन्य विभागों में उल्लेखनीय प्रशंसात्मक कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और शॉल देकर सम्मानित किया और कहा कि आज जिन्हें भी सम्मानित किया गया है वे निश्चय ही प्रोत्साहित होकर ऊर्जा के साथ कार्यों को संपादित करेंगे। उन्होंने सुशासन के कांसेप्ट को समझाते हुए कहा कि जो भी हम एक साधारण इंसान के रूप में चाहते हैं वही दूसरों के लिए करें यही सुशासन की परिकल्पना है। उन्होंने वर्तमान जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा जनपद में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और उन्हें धन्यवाद दिया।

जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने कहा कि सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतत्व में जन शिकायतों के निस्तारण हेतु हम प्रतिबद्ध है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत निवारण, आनलाइन सर्विस डिलीवरी आदि को हमारे अधिकारीध्कर्मचारी मिलकर कटिबद्धता के साथ जनहितकारी योजनाओं को सहज, सुलभ और तीव्रता के साथ लोगो तक पहुचाने हेतु प्रयास करे।

मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि को जनपद में एक अच्छा सुशासन और संवेदनशील प्रशासन हेतु हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य परिषद जौनपुर के प्रधानाचार्यों ने जिला विद्यालय निरीक्षक को सौपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । प्रधानाचार्य परिषद जौनपुर ने प्रादेशिक प्रधानाचार्य परिषद के आह्वान पर संपूर्ण प्रदेश के प्रधानाचार्यो की मांगों तथा उनकी समस्याओं पर शासन का ध्यान आकृष्ट करने और उसके निदान हेतु अपनी 17सूत्री मांगों से संबंधित एक ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर के माध्यम से मुख्यमंत्री तथा प्रदेश के शिक्षा अधिकारियों को सौपा, जिसमें प्रमुखता से प्रधानाचार्य को सेवा सुरक्षा (धारा 21 की बहाली)कार्यवाहक प्रधानाचार्य को उनका वेतन अर्थात धारा 18 की बहाली, प्रधानाचार्यो का चयन विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षकों में से साक्षात्कार के माध्यम से करना स्व वित्त पोषित विद्यालय के प्रधानाचार्यो को सम्मानजनक वेतनमान, प्रधानाचार्यो हेतु कैशलेस चिकित्सा सुविधा, ऑनलाइन स्थानांतरण शुल्कों का पुनर्निर्धारण प्रधानाचार्य को और अधिक वित्तीय अधिकार प्रदान करना ,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति का अधिकार प्रदान करना ,पुरानी पेंशन योजना लागू करना आदि

ज्ञापन प्रदान करने में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधानाचार्य शामिल हुए जिसमें मुख्य रूप से प्रधानाचार्य परिषद जौनपुर के अध्यक्ष डॉ संजय चौबे, महामंत्री श्री रविंद्र नाथ शर्मा ,श्री शीवधार ,श्री दिनेश कुमार यादव ,श्री देवेंद्र नाथ पांडे, डॉक्टर अरविंद ,श्री शिव भूषण चौबे, श्री मौलवी राम ,श्री जितेंद्र कुमार ,श्री प्रेमनाथ आदि उपस्थित रहे ।ज्ञापन देने के बाद प्रधानाचार्य परिषद जौनपुर के अध्यक्ष डॉ संजय चौबे ने बताया कि प्रादेशिक परिषद के आवाहन पर दिनांक 30 दिसंबर 2024 को लखनऊ के शिक्षा निदेशालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन होना है, जिसमें जनपद के सभी प्रधानाचार्य शामिल हो।

सेवायोजन कार्यालय द्वारा रोजगार मेला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर शासन की मंशा एवं निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस (निकट नारायण नर्सिंग होम) जौनपुर में 26 दिसम्बर, 2024 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम जौनपुर डिपो में चालको की भर्ती एवं निजी क्षेत्र की पुखराज हेल्थ केयर प्रा0लि0 कम्पनियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाना है, परिवहन विभाग द्वारा 20 संविदा चालकों हेतु शैक्षिक योग्यता कक्षा– 8 पास, ड्राईविंग लाईसेंस–02 वर्ष पुराना वैध हैवी लाईसेंस, लम्बाई–05 फीट 03 इंच एवं आयुसीमा– 23 वर्ष 6 माह–40 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए एवं निजी कम्पनियॉ द्वारा भर्ती की जायेंगी। रोजगार मेलें में प्रतिभागी अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिणिक प्रमाण पत्रों सहित रोजगार मेले में योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए विभिन्न पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam-up-gov-in पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए, रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

पति ने रील बनाने पर की आपत्ति तो पत्नी ने घर से भगाया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जफराबाद थाना क्षेत्र के वसीरपुर गांव निवासी एक महिला ने पति द्वारा रील बनाने की आपत्ति करने पर गाली गलौज देकर प्रताड़ित करके घर से भगा दिया।पति तहरीर देकर पुलिस से न्याय की गुहार लगा रहा है। उक्त गांव निवासी अशोक कुमार मौर्या पुत्र रामबरन मौर्या की पहली पत्नी की मौत के बाद कुछ दिन वर्ष पहले दूसरी शादी किया था।पहली पत्नी से उसकी तीन संतान है।शादी के बाद दूसरी पत्नी से भी एक संतान पैदा हुई।अशोक रोजी रोटी के लिए मुंबई चला गया।वह जब मुम्बई गया तो उसकी पत्नी ने उसके पहली पत्नी की संतानों को सास ससुर के जिम्मे डाल दिया।वह मोबाइल से रील बनाने लगी।उसके परिजनों ने उस पर तरह तरह के आरोप लगाने लगे।पत्नी की लगातार मिल रही शिकायत पर अशोक घर आया।वहां पर उसने देखा कि उसकी पत्नी अन्य युवक के साथ घूमने जा रही है।जब वह विरोध किया तब पत्नी बोली भाग जाओ यह घर मेरा है।पत्नी के साथ का युवक भी धमकाने लगा।तब अशोक ने 112 डायल कर पुलिस को बुला लिया।पुलिस के सामने भी पत्नी उसे गन्दी गन्दी गाली व धमकी देती रही।पत्नी के डर से वह अपने बहन के घर चला गया।सोमवार को थाने पर जाकर तहरीर दिया।थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि पति की तहरीर पर पुलिस को तत्काल मौके पर भेजा गया है।

डंपर के टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत

पूर्वांचल विश्वविद्यालय पुलिस चौकी के पास हुई घटना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विद्यालय पुलिस चौकी के पास डंपर की टक्कर से बुलेट मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। उधर डंपर सकालु यादव के घर में घुसा, जिससे काफी लोग बाल बाल बच गए। परिजनों ने मृतक युवक का अंतिम संस्कार कर दिया।

जानकारी के अनुसार करंजाकला के निवासी पूर्व प्रधान जंग बहादुर यादव का 26 वर्षीय पुत्र अरविंद कुमार यादव शहर से कामकाज निपटाकर बुलेट मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था । जैसे ही वह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पुलिस चौकी के समीप पहुंचा था कि जौनपुर शाहगंज मार्ग पर शाहगंज की ओर से आ रही डंपर का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे उलटी दिशा में आकर बुलेट मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मारते हुए डंपर सकालु यादव के घर में घुस गई। घर में मौजूद आधा दर्जन लोग बाल बाल बच गए। डंपर में बुलेट फंसकर छात्रिग्रस्त हो गया और अरविंद यादव गंभीर रूप से घायल हुआ । घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग जुट गए। इस दौरान लोगों ने आनंन फानन में घायल अरविंद यादव को जिला अस्पताल लेकर जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए वाराणसी रेफर कर दिया । वाराणसी ट्रामा सेंटर ले गए जहां डॉक्टरों ने अरविंद को मृत घोषित कर दिया। उधर घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक फसता देख मौके से फरार हो गया। सूचना लगते ही पुलिस पहुंच गई और ट्रक को कब्जे में ले लिया। उधर पूर्व प्रधान पुत्र की मौत की खबर सुनकर लोग भारी संख्या में जुट गए। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

प्रायोगिक शिक्षा की महत्त्वपूर्ण कड़ी है टूर : कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण को कुलपति प्रोफेसर वन्दना सिंह ने शुभकामनाएं देते हुए रवाना किया । अपने सन्देश में कुलपति ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा की महत्वपूर्ण कड़ी है। सैद्धांतिक शिक्षा को पूर्ण करने के लिए प्रायोगिक शिक्षा जरुरी है। औद्योगिक भ्रमण प्रायोगिक शिक्षा पूर्ण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि अपने भ्रमण के दौरान सीखे गए तथ्यों को शिक्षा में प्रयोग करे जिससे वे कुशल प्रबंधक बन सके । व्यवसाय प्रबंध विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रो मुराद अली ने कहा कि विभाग ऐसे औद्योगिक भ्रमण नियमित रूप से आयोजित करता हैं जिससे व्यवसाय प्रबंध के विद्यार्थियों को व्यवसाय जगत के बारे में नये दृष्टिकोण से अध्ययन करने का अवसर मिलता हैं स राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार छात्रों के वोकेशनल पाठ्यक्रमों को औद्योगिक जगत से जोड़ा गया हैं स छात्रों दिल्ली, मानेसर, हापुड़, गजियाबाद आदि के औद्योगिक इकाईयों का भ्रमण करेंगे और उसके आधार पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेंगे स इस अवसर पर डॉ.विकास कुमार सिंह, समरीन तबस्सुम, उद्देश्य कुमार सिंह, मोहम्मद सहाबुद्दीन, सुनील कुमार मौर्या एवं बी.बी.ए. के छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे ।

पीयू में अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह मना

विभिन्न प्रतियोगिताओं किया गया आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस के अवसर पर 18 से 25 दिसंबर 2024 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों में सोमवार को आर्यभट्ट सभागार रज्जू भइया संस्थान में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी पर एक कार्यशाला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका विषयरू ष्अटल जी एवं सुशासनष् भाषण प्रतियोगिता, विषयरू अटल जी एवं सुशासन एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन एवं उनकी प्रमुख कविताओं पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ नितेश जायसवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि अटल जी केवल एक राजनीतिज्ञ ही नहीं, बल्कि देश के लिए समर्पित एक प्रेरणास्रोत थे। उनकी दूरदर्शिता, ओजस्वी वाणी, और नेतृत्व ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उन्होंने सदा देशहित को प्राथमिकता दी और राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। कार्यक्रम समन्वयक रासेयो डॉ राज बहादुर यादव ने कहा कि अटल जी के विचार और उनका नेतृत्व आज भी हमें प्रेरणा देता है। वे हमें सिखाते हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य और साहस से काम लेना चाहिए। आज हम सबको संकल्प लेना चाहिए कि हम उनके विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएँगे और उनके सपनों का भारत बनाने में अपना योगदान देंगे। डॉ विजय प्रकाश सिंह, डॉ मनोज कुमार दुबे एवं डॉ अजीत कुमार मिश्रा ने भी अटल जी पर अपना विचार व्यक्त किए। काव्य, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ मनोज कुमार दुबे, डॉ अजीत कुमार मिश्रा राजकीय महाविद्यालय मुफ्तीगंज एवं डॉ विजय प्रकाश सिंह, राजकीय महिला महाविद्यालय शाहगंज, डॉ अवधेश कुमार मौर्य, शिया डिग्री कालेज, डॉ सोमारूराम, बायलसी पीजी कॉलेज, डॉ सिकंदर यादव, डॉ श्याम प्रकाश उपस्थित रहें। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साक्षी यादव, नूरुद्दीन खां गर्ल्स पी जी कालेज मल्हनी, द्वितीय स्थान रिया सिंह, सल्तनत बहादुर महाविद्यालय बदलापुर, तृतीय स्थान, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिनव कीर्ति पांडेय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर, द्वितीय स्थान आफताब, टी डी पी जी कालेज जौनपुर तृतीय स्थान हिमांशु विश्वकर्मा, डॉ राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय शाहगंज, जौनपुर प्राप्त किया । काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गौरव जायसवाल, सल्तनत बहादुर पी जी कालेज बदलापुर, द्वितीय स्थान सुमित सिंह, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर परिसर, तृतीय स्थान सौम्या सिंह, राजकीय महिला महाविद्यालय शाहगंज जौनपुर प्राप्त किया।

संचालन स्वयंसेवक सुमित सिंह एवं अभिनव कीर्ति पांडेय ने किया। अतिथियों का स्वागत नोडल अधिकारी डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर डॉ श्याम कन्हैया सिंह, डॉ मनोज कुमार पांडेय, डॉ चंदन सिंह, हर्ष यादव, एकता मिश्रा, स्नेहा मिश्रा, प्रियांशी मौर्या तथा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया।

अमित शाह माफी मांगे अन्यथा इससे बड़ा होगा आंदोलन : एसपी मानव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एस पी मानव के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में पहुंचे आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा राज्यसभा में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर कथित बयान को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गए।इस दौरान अमित शाह मुर्दाबाद व मोदी योगी होश में आओ के नारे लगाए गए। जिलाध्यक्ष एसपी मानव के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ता अम्बेडकर तिराहे पर एकत्रित हुए जहां से सभी पार्टी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुए।इस बीच कलेक्ट्रेट पहुंचने से पूर्व बीच रोड पर सभी कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए जिससे रोड पर एक तरफ से लंबा जाम लग गया।इस दौरान पुलिस बल ने जिलाध्यक्ष एसपी मानव व उनके कार्यकर्ताओं को समझाने का प्रयास किया और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की सलाह दी।लेकिन इस बीच पुलिस व कार्यकर्ताओं में नोकझोक भी भी हुई।अंत मे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की तथा अमित शाह के इस्तीफे की मांग की।साथ ही कहा कि अमित शाह सार्वजनिक रूप से माफी मांगे अन्यथा इससे भी बड़ा आंदोलन करने के लिए आजाद समाज पार्टी बाध्य होगी।

शाही पुल के नीचे काली माता मंदिर का दावा लोगो ने शुरु किया पूजा अर्चना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सोमवार सुबह नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के शाही पुल के नीचे स्थित मां काली के प्राचीन मंदिर होने की बात जैसे ही लोगों के बीच पहुंची भारी संख्या में लोग मंदिर देखने के लिए उमड़ पड़े ।स्थानीय लोगों के अनुसार वहां माता काली का सैकड़ों वर्ष पुराना मंदिर है जिसे पूर्व की सपा सरकार में नदी में पानी ज्यादा होने के कारण बंद करवा दिया गया था जिसे पुनः खोलने की मांग हिंदूवादी संगठन द्वारा की जा रही है। इस मामले को लेकर पूर्व में भी स्थानीय निवासी महेश कुमार पुत्र हीरालाल सेठ निवासी हनुमान घाट केसरी बाजार द्वारा जिलाधिकारी एवं सीटी मजिस्ट्रेट को प्रार्थना पत्र के माध्यम से दीवार को खुलवाने की मांग लगातार की जाती रही है लेकिन जिला प्रशासन द्वारा उसे अनसुना कर दिया गया है।जिस कारण आज तमाम लोगों ने एकत्रित होकर जिला प्रशासन शासन से मांग किया है कि जल्द से जल्द उक्त मंदिर को खुलवाया जाए। यह मंदिर लगभग सैकड़ों वर्ष पुराना बताया जा रहा है।वही इस मामले में जानकारी देते हुए महंत अंबुजा नंद महाराज का साफ तौर पर कहना है कि यह प्राचीन काली माता का मंदिर है जिसे बंद कर दिया गया है उसे खोल दिया जाए यदि अंदर काली माता की मूर्ति नहीं मिलती है तो हम सभी लोग मिलकर पुनः से बंद कर देंगे। हम शासन प्रशासन से किसी प्रकार उलझना नहीं चाहते हैं हमारी मांग है कि इसको खोलकर देख लिया जाएगा जाए यहां प्राचीन काली माता का मंदिर है जैसे दक्षिणी छोर पर भगवान शिव का मंदिर है इस तरह यहां मां काली का मंदिर है। इस मामले में स्थानीय निवासी श्यामा देवी का भी दावा है कि यहां पर

काली माता का मंदिर था जिसमें वह लोग बराबर पूजा करने जाया करती थी श्यामा देवी का यह भी दावा है कि सैकड़ो वर्ष पहले से ही यहां पर काली माता का मंदिर था जो अब बंद हो गया है श्यामा देवी की उम्र 100 वर्ष के आसपास है लेकिन मैं आज भी याद है कि यहां मां काली का मंदिर हुआ करता था जहां वो लोग पूजा अर्चना किया करती थी।

बिना चुनाव अध्यक्ष स्वीकार नहीं : संतोष निषाद

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भरतकुंड में रविवार को आयोजित निषाद राज जयंती समारोह के दौरान एक विवाद उठ खड़ा हुआ। रामदुलारे निषाद के सम्मान समारोह में समाज के कुछ लोगों ने श्यामलाल निषाद को निषाद समाज का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया।जिससे समाज के अन्य लोग नाराज हो गये।समाज के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी को भी अध्यक्ष केवल चुनाव के बाद ही स्वीकार किया जाएगा।वहीं शहर की होटल में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बिना चुनाव के कोई भी व्यक्ति खुद को अध्यक्ष नहीं घोषित कर सकता। समाज ने यह तय किया कि अध्यक्ष का चयन जनवरी में होने वाले चुनाव के बाद किया जाएगा। तब तक अगर कोई खुद को अध्यक्ष बताता है, तो उसे अवैध और असंवैधानिक माना जाएगा। इस दौरान कई प्रमुख लोग जैसे रामशंकर निषाद, अच्छेलाल निषाद, अनिल निषाद और अन्य समाज के सदस्य समारोह में मौजूद रहे।

रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी पर तीन दिवसीय आयोजन

लखनऊ,(संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ भारतीय काल गणना के अनुसार मनाई जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ न्यास के महासचिव चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा पौष शुक्ल द्वादशी (22 जनवरी 2024) को की गई थी। वर्ष 2025 में जनवरी मास में पौष शुक्ल द्वादशी 11 जनवरी को है। इसे श्प्रतिष्ठा द्वादशीश नाम दिया गया है। इस अवसर पर तीन दिवसीय (11, 12 व 13 जनवरी) आयोजन होगा। व्यवस्था के दृष्टिगत पांच स्थानों को आयोजन स्थल बनाया गया है। शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिनी शाखा के 40 अध्यायों के 1975 मंत्रों से अग्नि देवता को आहुति प्रदान की जाएगी। 11 वैदिक मन्त्रोच्चार करेंगे। होम का यह कार्य सुबह आठ से 11 बजे तक और दोपहर दो से पांच बजे तक होगा। श्रीरामंत्र का जप यज्ञ भी इसी कालखंड में दो सत्रों में होगा। छह लाख मंत्र जप किया जाएगा।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने किया दिव्य कला समागम का शुभारम्भ

साकेत महाविद्यालय में लगी तीन दिवसीय दिव्य कला समागम प्रदर्शनी से होगा दिव्यांगजनों को लाभ – नरेन्द्र कश्यप

राजेश श्रीवास्तव

अयोध्या।सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष (1924–2018) के उपलक्ष्य में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा साकेत महाविद्यालय परिसर मे 23 से 25 दिसंबर 2024 तक दिव्य कला समागम का आयोजन किया जा रहा है।जिसका शुभारंभ प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप जी मुख्य अतिथि के रूप में किया।इस मौके पर उन्होंने फीता काटकर व गुब्बारा उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उसके बाद वहां पर लगे प्रत्येक प्रदर्शनी के स्टॉल पर वहां पर बने वस्तुओं के बारे में जानकारी लिया।कामता प्रसाद सुंदरलाल साकेत महाविद्यालय अयोध्या में राज्य निधि योजना अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजनों द्वारा बनाये गये चित्रों, हस्तकला आदि सहित उत्पादनों को प्रदर्शित करने के लिए राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन संस्था नई सुबह वाराणसी द्वारा दिव्य कला समागम प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शित की गयी।प्रदर्शनी का शुभारम्भ मंत्री द्वारा फीता काटकर व गुब्बारा उड़ाकर शुभारम्भ किया गया इसके उपरांत उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर परिवार मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रदेश में संचालित दिव्यांग सशक्तिकरण योजनाओं के तहत आज अयोध्या में तीन दिवसीय दिव्य कला समागम का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।आगामी तीन दिनों तक दिव्यांगजनों को मिलने वाली योजनाओं का लाभ, कानून व अधिनियमों के बारे में जानकारी तीन दिवसीय समागम के माध्यम से विभागीय अधिकारियों द्वारा उपलब्ध करायी जायेगी, जिसका लक्ष्य उत्तर प्रदेश में समग्र विकास के साथ साथ दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने का है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा पेंशन के रूप में 1000 रुपये की सहायता धनराशि, सहायक उपकरण सहायता की राशि 15 हजार रुपये प्रदान की जा रही है तथा दिव्यांगजनों के लिए दो विश्वविद्यालय व 18 समेकित विद्यालयों के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त करने का कार्य प्रदेश सरकार के नेतृत्व में किया जा रहा है। दिव्यांगजनों को सशक्त करने का कार्य अयोध्या में तीन दिवसीय दिव्य कला समागम के माध्यम से किया जा रहा है।दिव्य कला समागम के दौरान दिव्यांगजनों की प्रतिभा को मंच प्रदान करते हुए उनकी कलात्मकता और सृजनशीलता का प्रदर्शन किया गया तथा 93 दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल का वितरण मा0 मंत्री जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों द्वारा निर्मित उत्कृष्ट उत्पादों की प्रदर्शनी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां जैसे नृत्य, संगीत, रंगमंच और कवि सम्मेलन, रंगोली एवं पुस्तक गैलरी के अलावा मनोरंजन और खानपान के लिए फन जोन और फूड जोन भी आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम के दौरान मनोजागृति स्पेशल स्कूल, लोक जागृति संस्थान द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस अवसर पर निदेशक दिव्यांग सशक्तिकरण भूपेन्द्र चौधरी, संयुक्त निदेशक अमित सिंह, उपनिदेशक अनुपमा मौर्या, जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र देव पांडेय अध्यक्ष नई सुबह डा0 अजय तिवारी, डा0 पी0के0 त्रिपाठी सहित अयोध्या मण्डल के सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापारी के मुनीम से डेढ़ लाख रुपयों से भरा बैग लूटा

लखनऊ,(संवाददाता)। वजीरगंज के सुभाष मार्ग तिराहे के पास शनिवार देर शाम बाइक सवार बदमाशों ने आढ़त व्यापारी नरेश साहू के मुनीम मनीष तिवारी से नोटों से भरा बैग लूट लिया। मनीष पैदल ही बैग लेकर जा रहे थे। बैग में करीब डेढ़ लाख रुपये थे। लूट की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। एडीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन की जा रही है। आढ़त व्यापारी नरेश साहू सुभाष मार्ग पर किराने का थोक व्यापार करते हैं। उनके मुताबिक शनिवार शाम को मुनीम सीतापुर के सिधौली निवासी मनीष दुकानदारों से पेमेंट लेने रकाबगंज गए थे। पेमेंट लेने के बाद वह सुभाष मार्ग पर दूसरे दुकानदार से भुगतान लेने जा रहे थे। सुभाष पार्क तिराहे के पास पीछे से आए बाइकसवार दो बदमाशों ने उनका बैग लूट लिया। मनीष शोर मचाकर बदमाशों के पीछे दौड़े, लेकिन बाइक सवार भाग निकले। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्रा ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। दोनों बदमाश सिटी स्टेशन की ओर भागते दिखे हैं। मनीष के शोर मचाने पर वहां गुजर रहे व्यापारी प्रशांत गर्ग ने घटना की सूचना पुलिस को दी। उधर, लूट की खबर पाकर बड़ी संख्या में व्यापारी एकत्र हो गए। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों के बाइक का नंबर पता कर रही है। फुटेज में एक बदमाश हेलमेट लगाए दिखा है। दूसरे बदमाश ने हेलमेट नहीं पहना था। बदमाशों ने घटना को अंजाम देने के लिए रेकी की थी। बदमाशों को पता था कि मनीष अक्सर पैदल ही दुकानदारों से वसूली करते हैं। दोनों बदमाश तिराहे पर खड़े होकर इंतजार कर रहे थे। जैसे ही वह तिराहे पर पहुंचे, बदमाशों ने बाइक स्टार्ट की और पीछे से आकर रुपयों से भरा बैग छीन लिया। व्यापारियों ने घटना के खुलासे की मांग की है।

हत्यारे गिरफ्त से दूर, वजह भी पता नहीं लगा सकी पुलिस

लखनऊ,(संवाददाता)। बीकेटी में आठ दिन से लापता हाजीपुर गांव निवासी पीयूष उर्फ मानू रावत (20) के हत्यारे पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। शव मिलने के तीन दिन बाद भी पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। पुलिस हत्या की वजह भी पता नहीं लगा पाई है। उधर, पीयूष के परिजनों में पुलिस की कार्यशैली को लेकर आक्रोश है। परिजनों ने जल्द हत्याकांड का खुलासा कर बदमाशों को गिरफ्तार करने की मांग की है। पीयूष के मामा दिनेश का कहना है कि पुलिस तीन दिन से कुछ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। हालांकि, अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस हाजीपुर, भौली, महिंगवा समेत अन्य गांव के लड़कों से जानकारी जुटा रही है। दिनेश के मुताबिक भौली गांव में जिस जगह पीयूष का शव मिला था,।

निराश्रित बेघरों को शेल्टर होम भेजने हेतु पुलिस विभाग से सहयोग के लिये किया गया पत्राचार - नगर आयुक्त

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा द्वारा द्वारा शीतऋतु के दृष्टिगत अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं एवं निराश्रित जनों को ठंड से बचाव हेतु रात्रि में निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रामपथ मार्ग, धर्मपथ मार्ग, रामकथा पार्क सरयू स्थल, लता मंगेशकर चौराहा, रामपैंडी एवं अन्य मार्गों स्थलों पर खुले में सो रहे 62 निराश्रित जनों को गोल्फकार्ट की माध्यम से निकटतम आश्रय स्थल पहुंचाया।बताते चले कि शहरी बेघर निराश्रित व्यक्तियों हेतु गांधी पार्क, अयोध्या धाम साकेत पेट्रोल पम्प, रोडवेज बस अड्डे, रेलवे स्टेशन कैंट पर अस्थायी रैन बसेरे एवं निषादराज गुहा आश्रय स्थल, रामकथा पार्क, रेलवे स्टेशन, अयोध्या धाम स्थायी रैन बसेरे की स्थापना की गयी है। इसके अतिरिक्त क्वीन हो पार्क पर भी रैन बसेरे के निर्माण की कार्यवाही यथाशीघ्र पूर्ण कर ली जायेगी। इन स्थलों पर कोई भी व्यक्ति रात्रि में आश्रय प्राप्त कर सकता है। इसके अतिरिक्त नगर क्षेत्र के प्रमुख स्थलों चौराहों यथा रेलवे स्टेशन, अयोध्या धाम, रेलवे स्टेशन अयोध्या कैन्ट, बस स्टेशन अयोध्या कैन्ट, महिला अस्पताल, जिला अस्पताल, रिकाबगंज चौराहा, चौक घंटाघर, श्री राम अस्पताल अयोध्या धाम, श्री राजा दशरथ मेडिकल कालेज, गोरखपुर अण्डरपास अयोध्या धाम, देवकाली अण्डरपास अयोध्या कैन्ट के अतिरिक्त अन्य सार्वजनिक स्थलों एवं चौराहों सहित 75 स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की गयी है। नगर आयुक्त महोदय द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोने पाए इसके लिए निरंतर अभियान चलाते हुए सोये हुए व्यक्तियों को निकटतम आश्रय स्थल तक भेजवाना सुनिश्चित करें। नगर आयुक्त महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में शीत ऋतु के दृष्टिगत निगम पूर्णरूपेण संवेदनशील है, नगर निगम अयोध्या द्वारा शीत ऋतु में आम नागरिकों को ठंड से बचाव हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है। नगर निगम की अधिकारीध्अभियन्ता की टीम द्वारा रात्रि में भ्रमण करते हुए खुले में सोए हुए व्यक्तियों को निकटतम आश्रय स्थल पर ले जाने की कार्यवाही की जा रही है। आश्रय स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाओं के नियमित अनुश्रवण हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसके साथ साथ पुलिस विभाग एवं प्रवर्तन दल की टीमों को सक्रिय किए जाने के निर्देश दिए गए है। आम जन से अपील है कि इस प्रकार का कोई व्यक्ति आस पास सड़क आदि पर सोता हुआ पाया जाये तो निगम के समन्वय करते हुए निकटतम आश्रय स्थल पर पहुँचाने में सहयोग प्रदान करें, जिससे ठंड के कारण किसी प्रकार की जनहानि न हो।

एक बार फिर शहर मे धूम मचाने आ गया डी के भारत जादूगर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शहर के दामोदर धर्मशाला सुभाष नगर में धूम मचाने स्टार जादूगर डीके भारत नए अद्भुत कलाओं के साथ जादूई शो दिखाने आ गया है। बताते चले कि इस जादूगर मे इंद्रजाल की माया में अद्भुत कला दिखेंगीं।इस संबंध मे जानकारी देते हुए जादूगर डीके भारत के बंटी ने बताया कि रविवार की शाम 6:00 बजे इसका इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में वेद प्रकाश गुप्ता, राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने संयुक्त रूप से किया।इस मौके पर उन्होंने बताया की जादू कि दौरान एक से बढ़कर एक आकर्षक शो प्रस्तुत किया जाएगा जिसका भरपूर मनोरंजन दर्शन उठा सकेंगे।उन्होंने बताया कि जादू शो मे अचानक इंसानो का जानवर बनना,पहली बार जादूई मंच पर डायनासोर का हगांमा,लड़की का सर कहीं,धड़ कही,पैर कही,एक जिन्दा इसान को काटकर तीन टुकड़ो में

अलग–अलग कर देना,मीना बाजार का खेल,लड़की बनी खुंखार भेड़िया 7 दर्जनों पालतू जानवरों और सैकडो हसीन कलाकारो के साथ जादू दिखाया।उन्होंने बताया कि 8 जादूई मंच पर हिपमोटिव लाइट और साउण्ड के साथ एक से बढ़कर एक जादू प्रस्तुत किया जाएगा।इस अवसर पर स्टार जादूगर डी० के० भारत ने बताया कि जादू कला भारत की प्राचीनतम 64 कलाओं में सर्वोपरि कला है जो आज विलुप्त होती जा रही है जादू की कला और इतिहास में पहली बार स्टार जादूगर डी०के० भारत अपने कई जादूई सामान के साथ एंव 50 कलाकरों के साथ 1000 पक्षी एवं जानवारों के साथ एक से बढ़कर एक आकर्षक जादू दिखाने आए हैं।उन्होंने बताया कि रोजाना 02 शो दिखाये जायेगे।पहला शो 02 बजे से एवं दूसरा शो 06 बजे से एवं शनिवार एवं रविवार एवं छुटटी के दिन तीन शो दिखाया जायेगा।सभी शो 12:30 3:30 एवं 6:30 बजे से देख सकते है।अन्त में स्टार डी०के० भारत से पूछने पर बताया गया की जादू जिसे देखा जाए पर दिमाग समझ न पायें उसे जादू कहते है।ये स्वस्थ मनोरजंन की कला है,जिसको विकसित करने में हमारा सहयोग करें ।इस मौके पर प्रबंधक मोहम्मद आरिफ, बंटी सहित कई लोग मौजूद रहे।

आंखों की स्कैनिंग के बाद मिला प्रवेश कड़ी निगरानी में हुई परीक्षा

लखनऊ,(संवाददाता)। पीसीएस के 220 पदों पर भर्ती के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में पेपर लीक के बाद यूपीपीएससी की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित परीक्षा होने जा रही है। ऐसे में आयोग व प्रशासनिक तंत्र के लिए सबसे बड़ी चुनौती प्रश्न पत्रों की सुरक्षा होगी। इसके लिए तमाम इंतजाम किए गए हैं। अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या कराना, प्रश्नपत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करना अथवा प्रकट करने की सजिश करना आदि कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं। उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुसूचित साधनों का निवारण) अधिनियम, 2024 के तहत ऐसे प्रकरणों में एक करोड़ तक का जुर्माना व आजीवन कारावास की सजा, दोनों हो सकती है। यदि नकल सामग्री पकड़ी जाती है तो अभ्यर्थी को परीक्षा विशेष या आगामी परीक्षाओं व चयन से डिबार किया जा सकता है, चाहे सामग्री का प्रयोग नकल के लिए किया गया हो या नहीं। श्रावस्ती जिले में तीन केंद्रों पर रविवार को पीसीएस प्री की प्रारंभिक परीक्षा कराई जा रही है। इसमें अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज भिनगा में 480, जगतजीत इंटर कॉलेज इकौना में 478 व लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज वीरगंज में 384 परीक्षार्थी पंजीकृत है। जिले के तीनों परीक्षा केंद्रों पर सुबह आठ बजे से ही परीक्षार्थियों की कतार लगनी शुरू हो गई। इस दौरान उनकी सघन तलाशी लेने के साथ ही प्रवेश पत्र, आधार, पैन कार्ड आदि का मिलान कराया गया। इसके बाद मेटल डिटेक्टर के बीच से होकर उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिला। परीक्षा के दौरान कहीं कोई चूक न हो। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से बार बार तैयारियों को परखा गया। इतना ही नहीं डीएम अजय कुमार द्विवेदी व एसपी घनश्याम चौरसिया ने संबंधित एसडीएम, सीओ व थाना प्रभारियों के साथ परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। बाराबंकी में दस कॉलेजों में पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए सुबह आठ बजे का रिपोर्टिंग टाइम निर्धारित किया गया था, हालांकि इसके पहले ही शहर के जीआईसी और जीजीआईसी में बनाए गए परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों का पहुंचना शुरू हो गया। केंद्र पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने लाइन लगवाने के बाद प्रथम पाली के लिए गहन तलाशी के बाद प्रवेश कराया। इस दौरान गोंडा, बलरामपुर, अमेठी और रायबरेली से पहुंचे अभ्यर्थियों का टोपी, मफलर, पर्स, मोबाइल, बैग, बेल्ट समेत अन्य सामान बाहर ही जमा करवा लिया गया। केंद्रों पर तैनात किए गए सेक्टर और स्टैटिक मजिस्ट्रेट पूरी नजर बनाए हुए हैं। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से शुरू होगी। शहर से बाहर बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने के लिए अभ्यर्थियों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े इसके लिए सुबह चार बजे से ही यातायात उपनिरीक्षक रामयतन की निगरानी में देवा रोड स्थित बस स्टैंड से सोमैया नगर, जाटा बरौली, जैदपुर, मसौली और सफदरगंज जाने के लिए स्टीकर लगे टेम्पो ऑटो खड़े करवाए गए। असेनी मोड पर भी वाहनों की व्यवस्था की गई। गोंडा में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की पीसीएस–प्री परीक्षा 16 केंद्रों पर अभ्यर्थी पहुंचे हैं। केंद्रों पर सुरक्षा के प्रबंध किए गए हैं। जिले में एलबीएस पीजी कॉलेज मुख्य परिसर और विज्ञान परिसर, राजकीय पॉलीटेक्निक, जीआईसी, जीजीआईसी, जिगर मेमोरियल इंटर कॉलेज, स्वामी विवेकानंद, सरयू प्रसाद कन्या पाठशाला, टॉमसन इंटर कॉलेज, एपी इंटर कॉलेज मनकापुर, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी विद्यालय डुमरियाडीह, एमडीबीएस इंटर कॉलेज बेलसर, भैया राघव राम स्मारक इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय इंटर कॉलेज, कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज रेलवे कालोनी को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जहां मुकम्मल इंतजाम किया गया है। एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। बलरामपुर में जिले के तीन कॉलेज में पांच केंद्रों पर रविवार को पीसीएस प्री की परीक्षा शुरू हो गई है। परीक्षा देने के लिए सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लाइन लग गई। परीक्षा केदो पर सुबह से ही अधिकारियों ने भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दो पालियों में होने वाली इस परीक्षा में 2208 परीक्षार्थी शामिल होंगे। एएसपी नमिता श्रीवास्तव ने बताया कि परीक्षा केदो के बाहर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात है। बहराइच में 15 केंद्रों पर आज रविवार को पीसीएस प्री परीक्षा सुबह 9रू30 शुरू होने जा रही है। परीक्षा शुरू होने से पहले शहर के महिला पीजी कॉलेज, किसान पीजी कॉलेज, महाराजा सुहेलदेव राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सहित सभी परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लंबी कतार लग गई है। गेट पर सघन तलाशी लेकर अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। आपको बता दें कि परीक्षा दो पाली में होगी। सुबह 9रू30 बजे से 11रू30 तक तथा ढाई से 4रू30 बजे तक होगी। प्रथम पाली में 6048 तथा दूसरी पाली में भी 6048 अभ्यर्थी परीक्षा देने आए हैं। सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में परीक्षाओं का शुभारंभ शुरू होने वाला है।

बच्चे चीखते रहे... मां के यार ने पिता को मारा

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पत्नी के अवैध संबंध का विरोध करने पर शनिवार रात 48 वर्षीय मजदूर की हत्या कर दी गई। महिला के प्रेमी सोनू रावत ने घर में घुसकर लोहे की रॉड से मजदूर के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए और भाग गया। कुछ ही समय में उसने दम तोड़ दिया। पुलिस की दो टीमें आरोपी की तलाश में लगी हैं। मामला मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है। परिजनों ने बताया कि मजदूर की पत्नी के सोनू रावत से अवैध संबंध हैं। इसे लेकर दंपती के बीच आए दिन झगड़ा होता था। शनिवार रात नौ बजे मजदूर की पत्नी अकेली घर लौटी। सवाल–जवाब करने पर दंपती में झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद मारपीट होने लगी। इस बीच सोनू रावत लोहे की रॉड लेकर पहुंचा और पीछे से मजदूर के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। वारदात के समय मजदूर की दो नाबालिग बेटियां और बेटा घर पर ही थे। बच्चों ने पिता को बचाने का प्रयास भी किया, पर नाकाम रहे। पत्नी पास ही मूकदर्शक बनी खड़ी रही। बच्चों की चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण मदद के लिए दौड़े तो आरोपी भाग निकला। एंबुलेंस की मदद से मजदूर को ट्रॉमा ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर लौट आए। एसीपी रजनीश ने बताया कि आरोपी के घर पर दबिश दी गई, पर वह हाथ नहीं आया। गिरफ्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। गांव के लोगों का कहना है कि 15 से 20 दिन पहले मजदूर ने कनकहा चौकी पर पत्नी व सोनू के अवैध संबंध की मौखिक शिकायत की थी। ऐसी चर्चा है कि चौकी में मजदूर ने सोनू से जान का खतरा भी जताया था। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते पुलिस ने कार्रवाई की होती तो शायद वारदात न होती। एसीपी का कहना है कि मजदूर की पत्नी ने मारपीट की मौखिक शिकायत की थी। दोनों पक्षों को समझा बुझाकर घर भेज दिया गया था। दो दिन पहले ही महिला मायके से लौटी थी। उसका कहना है कि पति से झगड़े के दौरान ही सोनू ने पीछे से वार कर दिया और भाग गया।

राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी को आजीवन मिलेगा वेतन

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी में अयोध्या स्थित रामजन्मभूमि में पिछले 34 सालों से मुख्य पुजारी का जिम्मा संभाल रहे आचार्य सत्येंद्र दास को आजीवन ट्रस्ट वेतन देता रहेगा। हालांकि सत्येंद्र दास की बढ़ती उम्र व खराब स्वास्थ्य के चलते राममंदिर ट्रस्ट ने उनसे कार्य से मुक्ति का निवेदन भी किया है। मुख्य पुजारी पहले की तरह जब भी चाहेंगे, उनके राममंदिर में आने–जाने व पूजा–अर्चना करने पर कोई रोक नहीं रहेगी। पिछले 25 नवंबर को हुई रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में यह निर्णय हुआ कि राममंदिर में पिछले 34 सालों से सेवा दे रहे आचार्य सत्येंद्र से कार्य से मुक्ति का निवेदन किया जाए। सत्येंद्र दास 87 साल के हो गए हैं।

अपनी परवाह और न परिवार की चिंता, जोखिम में डाल रहे जान

लखनऊ,(संवाददाता)। आए दिन हो रही मार्ग दुर्घटनाओं में लोग कभी खुद को तो कभी अपनों को खो रहे हैं। ससे बचाने के लिए पुलिस व परिवहन विभाग आए दिन अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रही है। इसके बावजूद लोग न तो घटनाओं से सबक ले रहे हैं और न पुलिस से सीख। बहराइच के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक बाइक पर चार सवार होने के कारण चालक बाइक से नियंत्रण खो बैठा। इससे बाइक अनियंत्रित हो पेड़ से टकरा गई। घटना में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक ने लखनऊ ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह कोई पहला मामला नहीं है। शायद ही कोई पखवाड़ा ऐसा बीता हो जब ओवर लोडिंग व ओवर स्पीड के कारण कोई घटना न घटी हो। ऐसा ही कुछ शनिवार भिनगा नगर में देखने को मिला। जब बिना हेलमेट बाइक व स्कूटी पर तीन व चार सवार बेखौफ फर्राटा भरते दिखे। इस समय कोहरे का प्रकोप शुरू हो चुका है। ऐसे में लोग रात में वाहन चलाने से बचें। शराब पीकर या हेलमेट व सीट बेल्ट वाहन कदापि न चलाएं। ओवर स्पीड व क्षमता से अधिक सवारी लेकर फर्राटा भरने वाले वाहनों को जांच कर सीज किया जाएगा।

पत्नी के प्रेमी ने घर में घुसकर की मजदूर की हत्या

लखनऊ,(संवाददाता)। पत्नी के अवैध संबंध का विरोध करने पर 48 वर्षीय मजदूर की हत्या कर दी गई। मामला शनिवार रात मोहनलालगंज के एक गांव का है। महिला के प्रेमी सोनू रावत ने घर में घुसकर लोहे की रॉड से मजदूर के सिर पर ताबड़तोड़ वार किए और भाग गया। पुलिस की दो टीमें आरोपी की तलाश में लगी हैं। परिजनों ने बताया कि मजदूर की पत्नी के सोनू रावत से अवैध संबंध हैं। इसे लेकर दंपती के बीच आए दिन झगड़ा होता था। शनिवार रात नौ बजे मजदूर की पत्नी अकेली घर लौटी। सवाल–जवाब करने पर दंपती में झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद मारपीट होने लगी। इस बीच सोनू रावत लोहे की रॉड लेकर पहुंचा और पीछे से मजदूर के सिर पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए। वारदात के समय मजदूर की दो नाबालिग बेटियां और बेटा घर पर ही थे। बच्चों ने पिता को बचाने का प्रयास भी किया, पर नाकाम रहे। पत्नी पास ही मूकदर्शक बनी खड़ी रही। बच्चों की चीख–पुकार सुनकर ग्रामीण मदद के लिए दौड़े तो आरोपी भाग निकला। एंबुलेंस की मदद से मजदूर को ट्रॉमा ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। परिजन शव लेकर लौट आए। एसीपी रजनीश ने बताया कि आरोपी के घर पर दबिश दी गई, पर वह हाथ नहीं आया। गिरफ्तारी के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। गांव के लोगों का कहना है कि 15 से 20 दिन पहले मजदूर ने कनकहा चौकी पर पत्नी व सोनू के अवैध संबंध की मौखिक शिकायत की थी। ऐसी चर्चा है कि चौकी में मजदूर ने सोनू से जान का खतरा भी जताया था। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते पुलिस ने कार्रवाई की होती तो शायद वारदात न होती। एसीपी का कहना है कि मजदूर की पत्नी ने मारपीट की मौखिक शिकायत की थी। दोनों पक्षों को समझा बुझाकर घर भेज दिया गया था। दो दिन पहले ही महिला मायके से लौटी थी। उसका कहना है कि पति से झगड़े के दौरान ही सोनू ने पीछे से वार कर दिया और भाग गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।